Estd. June 1984

NAAC Grade 'B' (CGPA : 2.49)

''ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार'' – शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha, Kolhapur's

शिक्षणमहर्षी बापूजी साळुंखे महाविद्यालय, कराड

SHIKSHANMAHARSHI BAPUJI SALUNKHE MAHAVIDYALAYA, KARAD

Dist. Satara - 415 110 ☎ 02164- 220159 / 220160

● E-mail : principalbapuji1984@gmail.com ● Website : www.sbscollegekarad.edu.in

Affiliated to Shivaji University, Kolhapur - College No. N.G.C. 3584/797 V.C. 2

Jr. College App. No. - HSC/84-85/Kop. Div./18782-85 **H.S.C Board No.** - 21.02.010 **UDISE No.** - 27310208405

FOUNDER	PRESIDENT	EXECUTIVE PRESIDENT	SECRETARY	I/C PRINCIPAL
Shikshanmaharshi Dr. Bapuji Salunkhe Dalitmitra, D.Litt.	Hon. Chandrakant (Dada) Patil Minister of Higher & Tech. Education Govt. of Maharashtra	Prin. Abhaykumar Salunkhe M.A.	Prin. Mrs. Shubhangi Gawade M.Sc. B.Ed.	Capt Dr. Mahesh N. Gaikwad M.A. (Marathi), M.Sc. (Physics), M.Ed., M.Phil., Ph.D., SET

Programme Outcomes (POs)

After completing B. A. degree programme, students will be able to:

PO 1.	Understand and follow human values.
PO 2.	Contribute to National Development
PO 3.	Be a responsible and dutiful citizen
PO 4.	To develop Global Competencies, employability, and the quest for excellence
PO 5.	Encourage innovation and creativity in fine arts and life.
PO 6.	Acquaint students with social, economic, and political facts and have Social Interaction.
PO 7.	To respect the Indian culture of pluralism and mutual respect.
PO 8.	Acquire essential skills of language (LSRW).
PO 9.	To develop Effective Communication among the learners.
PO 10.	Honour constitutional values-Freedom, equality, fraternity & social justice

Department of Hindi

Programme Specific Outcomes (PSOs)

PSO 1.	हिंदी भाषा की विविध बोलियों का ज्ञान छात्राओं को होगा।
PSO 2.	हिंदी की विविध साहित्य विधाओं का परिचय छात्राओं कोहोगा |
PSO 3.	छात्राएं सृजनात्मक लेखन कर सकेंगी।
PSO 4.	विभिन्न विषय की छात्राएं भाषा के विकास, साहित्य के विकास से अवगत हो जाएंगी
PSO 5.	समाचार पत्रकारिता, सम्पादन, साक्षात्कार, रिपोर्ताज के ज्ञान से छात्राएं अवगत हो जाएंगी ।
PSO 6.	आलोचना के स्वरूप, प्रकार महत्व के अध्ययन से छात्राओं में आलोचकीय क्षमता का आविर्भाव होगा।
PSO 7.	अनुवाद के स्वरूप, प्रकार, उपयोगिता से छात्राएं परिचित हो जाएगी ।
PSO 8.	हिंदी भाषा व साहित्य विषयक संशोधन की जानकारी से छात्राएं परिचित हो जाएगी ।
PSO 9.	छात्राएं हिंदी भाषा के प्रयोग के लिए सक्षम हो जाएगी ।
PSO 10.	यह पाठ्यक्रम सुशिक्षित, संवेदनशील व सृजनशीलता से युक्त विद्यार्थी वआदर्श नागरिक बनाने में सहायक होगा |

Course Outcomes (COs)B.A. I Year Hindi Compulsory

हिंदी अनिवार्य . (प्रश्नपत्र A) -सृजनात्मक लेखन, प्रश्नपत्र B -व्यावहारिक लेखन

CO1: हिंदी भाषा तथा व्याकरण से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO2: सृजनात्मक लेखन की विविध विधाओं (कविता, कहानी, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, दृश्य - साहित्य, पत्रकारिता) से छात्राएं अवगत हुई ।

CO3: सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की जानकारी छात्राओं को प्राप्त हुई ।

CO4: सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों के महत्त्व व उपयोगिता का आकलन छात्राओं को हुआ।

CO5: हिंदी के विविध रूपों से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO6: प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय छात्राओं को हुआ।

CO7: पत्राचार का स्वरूप तथा प्रकारों से छात्राएं अवगत हुई ।

CO8: अनुवाद, विज्ञापन और समाचार लेखन की जानकारी छात्राओं को मिली।

CO9: व्यावहारिक लेखन का महत्त्व तथा उपयोगिता की समझ छात्राओं में आयी |

B.A. I Year Hindi Optional साहित्य जगत, हिंदी गद्य साहित्य; प्रश्नपत्र 1 और 2

CO10: छात्राओं को साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचय हुआ|

CO11: हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से छात्राओं प्रभावित हुई |

CO12: हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन कौशल छात्राओं में विकसित हुआ।

CO13: निबंध, कहानी, रेखाचित्र, एकांकी, रिपोर्ताज, संस्मरण, व्यंग्य आदि विधाओं के माध्यम से छात्राओं का भावात्मक विकास हुआ।

CO14: नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्थाछात्राओं में निर्माण हुई ।

C015: राष्ट्र के प्रति प्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य स्थापना एवं सामाजिक प्रतिबद्धता छात्राओं में जागृत हुई ।

CO16: छात्राओं की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिला ।

BAII Year Hindi Optional

प्रश्नपत्र - 3 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

CO17: कथासाहित्य का परिचय छात्राओं को हुआ ।

CO18: कथा साहित्य के स्वरूप, तत्व एवं प्रकारों से छात्राएं अवगत हुई।

CO19: समीक्षा मानदंड के आधार पर कथासाहित्य का आकलन छात्राओं को हुआ |

CO20: कथेतर साहित्य का समीक्षात्मक परिचय छात्राओं को हुआ।

CO21: कथेतर साहित्य के स्वरुप, तत्व एवं प्रकारों से छात्र अवगत हुए।

CO22: कथा और कथेतर साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता का ज्ञान छात्रों को हुआ ।

प्रश्नपत्र 4 हिंदी संतकाव्य तथा राष्ट्रीय काव्य धारा

CO23: हिंदी साहित्य के प्रति छात्राओं की रुचि बढ़ी।

CO24: कथा साहित्य की विविध विधाओं का परिचय छात्राओं को हुआ।

CO25: मध्यकालीन हिन्दी कवियों के परिचय से छात्राएं प्रभावित हुई

CO26: नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व का परिचय छात्राओं को हुआ|

CO27: आधुनिक हिंदी कविता में चित्रित विविध विमर्शों से छात्राएंअवगत हुई ।

CO28: हिन्दी संतकाव्य से छात्राओं का परिचय हुआ।

प्रश्नपत्र 5 - रोजगारपरक हिन्दी

CO29: हिन्दी में कार्य करने की क्षमता, कल्पना एवं रुचि छात्राओं में विकसित हुई।

CO30: रोजगारोन्मुख शिक्षा व कौशल का विकास छात्राओं में हुआ।

CO31: पत्राचार के स्वरूप का परिचय छात्राओं को हुआ।

CO32: हिन्दी भाषा के श्रवण, पठन व लेखन कौशल का निर्माण
छात्राओं में हुआ।

CO33: व्यावहारिक हिन्दी से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO34: रोजगारोन्मुख क्षेत्र से छात्राओं का परिचय हुआ।

प्रश्नपत्र 6 – अस्मितमूलक विमर्श और हिन्दी पद्य साहित्य

CO35: हिन्दी कवियों से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO36: हिन्दी भाषा के श्रवण, पठन और लेखन को छात्राओं में बढ़ावा मिला

CO37: हिन्दी साहित्य के प्रति छात्राओं में रुचि निर्माण हुई |

CO38: नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य, उत्तरदायित्व के प्रति छात्राओं में आस्था निर्माण हुई |

CO39: साहित्य की विविध पद्य विधाओं का परिचय छात्राओं को हुआ

CO40: आधुनिक हिन्दी पद्य में चित्रित विविध विमर्शों से छात्राएं
अवगत हुई ।

BA III Year Hindi (Special) प्रश्नपत्र

VII &XII विधा विशेष का अध्ययन पाठ्यपुस्तक: दिल्ली ऊंचा सुनती है (नाटक)-कुसुम कुमार&अंतिम

साक्ष्य (उपन्यास) चंद्रकांता

CO41: नाटककार कुसुम कुमार की बहुमुखी प्रतिभा व साहित्य से छात्राओं का परिचय हुआ। CO42:नाटककार कुसुम कुमार की विचारधारा से छात्राएं प्रभावित हुई ।

CO43: नाटककार कुसुम कुमार के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्ययन हुआ।

CO44: नाटककार के रूप में कुसुम कुमार का साहित्यिक स्थान निर्धारित हुआ ।

C045: उपन्यासकार चंद्रकांता की बहुमुखी प्रतिभा से छात्राएं परिचित हुई |

CO46: उपन्यासकार चंद्रकांता की विचारधारा से छात्राओं प्रभावित हुई ।

CO47: उपन्यासकार चंद्रकांता के निर्धारित ग्रंथ का आलोचनात्मक अध्ययन छात्राओं ने किया |

CO48: उपन्यासकार के रूप में चंद्रकांता का साहित्यिक स्थान निर्धारित हुआ ।

प्रश्नपत्र - VIII & XIII साहित्याशास्त्र

CO49: साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया से छात्र ज्ञात हुए।

CO50: साहित्य के विभिन्न अंगों, भेदों से छात्राओं का परिचय हुआ।

CO51: साहित्य की नवीन विधाओं से छात्राएं अवगत हुई ।

CO52: समीक्षा सिद्धान्तों का छात्राओं को ज्ञान हुआ|

CO53: साहित्य के तत्वों की जानकारी छात्राओ को मिली।

CO54: अलंकारों व छंदों से छात्राओ का परिचय हुआ ।

प्रश्नपत्र - IX & XIV हिन्दी साहित्य का इतिहास

CO55: हिन्दी भाषा तथा साहित्य से छात्राओ का परिचय हुआ।

CO56: हिन्दी साहित्य की विकास यात्रा से छात्र अवगत हुए।

CO57: हिन्दी साहित्य की विकास यात्रा में विब विभिन्न विचारधाराओ व प्रवृत्तियों से छात्र अवगत हुए।

CO58: साहित्य समझने, उसका आस्वादन की दृष्टि छात्राओ में विकसित हुई|

CO59: साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओ के विकासक्रम की छात्राओ कोजानकारी मिली।

CO60: युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों का परिचय छात्राओ को हुआ।

प्रश्नपत्र - X & XV प्रयोजनमूलक हिन्दी

CO61: हिन्दी में कार्य करने की रुचि छात्राओ में विकसित हुई ।

CO62: रोजगारोन्मुख शिक्षा व कौशल विकसित हुआ|

CO63: पारिभाषिक शब्दावली से छात्राओ का परिचय हुआ ।

CO64: सरकारी पत्राचार के स्वरूप की जानकारी छात्राओ को मिली।

CO65: जनसंचार व इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से छात्र ज्ञात हुए।

CO66: अनुवाद स्वरूप, महत्व व उपयोगिता का छात्राओ को परिचय हुआ ।

CO67: रोजगारपरक हिन्दी की उपयोगिता छात्राओ में स्पष्ट हुई।

प्रश्नपत्र - XI & XVI- भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

CO68: भाषा के विविध रूपों का ज्ञान छात्राओं को हुआ ।

CO69: हिन्दी व्याकरण से छात्र अवगत हुए।

CO70: भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय छात्राओं को प्राप्त हुआ।

CO71: हिन्दी भाषा व लिपि के उद्भव व विकास का ज्ञान छात्राओं को हुआ।

CO72: भाषा की शुद्धता के प्रति छात्राएं जागृत हुई।

CO73: मानक हिन्दी वर्तनी से छात्राएं अवगत हुई।